

सं० ओ०वि०/एफ.डी./56-86/878.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) अंशल प्रापर्टी इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०, पालम बिहार चौमा पोस्ट आफिस कार्टरपुरी गुदगांव, (2) अंशल ग्रुप आफ कम्पनीज, म० नं० 115, अंशल भवन 16, कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, के श्रमिक श्री श्रीम प्रकाश माफत राव पृथ्वी सिंह लेवर ला एडवाइजर शान्ति नगर, नजदीक नेशनल हाई वे नं० 8 गुदगांव तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम 57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या श्री श्रीम प्रकाश की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ओ० वि०/हिसार/128-86/951.—चूँकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) परिवहन आयुक्त, हरियाणा चण्डीगढ़ (2) महा प्रबन्धक, राज्य परिवहन, सिरसा के श्रमिक श्री जोगी राम, पुत्र श्री राम सिंह, गांव वडा० रोजथल, तह० हांसी, जिला हिसार तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इस में इसके बाद लिखित मामले में कोई औद्योगिक विवाद है ;

और चूँकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं ;

इसलिये, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित सरकारी अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित है :—

क्या श्री जोगी राम, बलैक्समीथ की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

आर० एस० अग्रवाल,
उप-सचिव, हरियाणा सरकार,
श्रम विभाग ।

PUBLIC WORKS DEPARTMENT
BUILDING AND ROADS BRANCH
CHANDIGARH CIRCLE
(CORRIGENDUM)
The 25th March, 1987

No. 698.—Whereas the Government of Haryana is satisfied that the notification under section VI for the construction of link road from village Tajewala Head to village Tajewala in Ambala District, were published in the *Haryana Government Gazette*, on March 10, 1987 on page No. 840,—vide Notification No. 642/S.E. Chandigarh, dated 3rd March, 1987.

Due to over sight, there have been omissions in printing. To set right the omission, the same may be read as under.

Incorrect/Omission on account of publication under section VI on page 840.

Correct Nos.

District	Tehsil	Village/ & H.B. No.	Khasra Nos.	District	Tehsil	Village/ & H.B. No.	Khasra Nos.
Ambala	Jagadhri	Arianwal No. 4	309 to 309	Ambala	Jagadhri	Arianwala No. 4	309 to 319.
Do	Do	Tajewala No. 3	32	Do	Do	Tajewala No. 3	32
			20/2, 20/21.				20/2, 21.

(Sd.)
Superintending Engineer,
Chandigarh Circle, Hr., P.W.D., B.&R. Branch,
Chandigarh.